

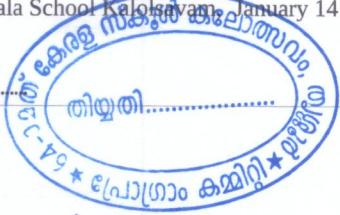


നാരിയോ - നോക്രീ
ബിഡാ - മേ

പ്രജ്ഞാവനാ :

इक്കിട്ടി സഭി മേ മഹിലാओം കാ തീനേ കേ
ദാലോ മേ ബദ്ധനാവേ ആി ഹൈ പരിപ്രേ കീ ത്രാവു കമ്മി മീ
നട്ടി ഹൈ | സ്ത്രീ സമൂഹ കീ പരിവർത്തന ദേശ ഔർ ദുനിയാ
കീ വികസന ഔർ ബദ്ധാവ കീ ലിശ അച്ഛാ ഹൈ | നാരിഡിന
അപനീ സവിശ്വേഷതാശും ഔർ സാമ്പത്തികതാഓോ കോ കും
അച്ഛാ തരികോ മേ വിശ്വേഷണ കരപാ രഹും ഹൈ | ആജ കീ
അപനീ വനിതാശും ശോജനഗാരി സേ ഏകുക കമാതേ ഹൈ |
കിസി ദൂസരേ കീ ആശ്രയ സേ ശുട്ടകര , വേ തുനുക്കി
പഹചാന പ്രധാനി കരതേ ഹൈ | വനിതാ കേ ദ്വീകൃത
ശാഖാഓോ മേ നഹിം , ദൂ ഏക ശാഖാഓോ മേ മഹിലാശും

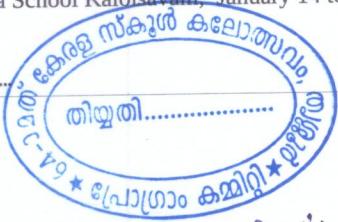
(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).



उनकी शान दिखा पाते हैं। वनिताएँ नौकरी करके उनका अनाज आ लैते हैं। शिक्षा केंद्रीय शाखा में भी वे चमके जा रहे हैं। पिछले सालों मा पिछले सालों में कभी भी महिलाओं को इतनी ऊँचाई दूना कभी भी मुमकिन नहीं था।

यहीं महिला, नौकरी करके उनके जीवन में सफल हो जाते हैं। अध्यापिका, डॉक्टर, नर्स, कंप्यूटर टेक्निकी, आदि नौकरियों में महिला कभी भी कमज़ोर नहीं हो पाती। स्त्री शक्ति की चरहा उनकी यम में ऊँचाई देता है। कभी भी कमरों के अंदर नहीं दुनिया की चारों कोनों उनकी विजय की पर्छाई दर्शाते हैं।

महिला सशक्तिकरण की मूल भी वनिताओं की के खर्च, वर्ष, जाति आदि नहीं है, वह उनकी संवेदनशीलता, होशियारी और झुक कमाते वेतन है। इस अवसर पर जद्यु, आज की महिलाओं नौकरी की व्यवहारों में आ रहे हैं, "नारियों - नौकरी छेत्रों में" विषय की बहुत अधिक प्रसक्ति है। यह निवंध दूवरा महिला सशक्तिकरण नौकरी छेत्रों में कैसे होता है, उसकी जानकारियों



हम पा सकते हैं। अपनी नारियाँ अपनी देश की चमकान हैं। और वे गर्भों की तरह और ज्यादा चमकें।

विषय-विस्तारः

तौकरी क्षेत्रों में स्त्रीसमाज की व्यवहार इस समै में पिछले समयों से भी बढ़ चुका है। दिनिया (भारत) महासामाजिक में आज की विनियास से उसकी शान उनकी विभिन्न सविशेषता और होशियारी से उड़ रही है। इसमें उनकी सबसे बड़ी कामयाबी उनकी रोजगारी ही है। वनिता उनकी जोश और जीखिमपूर्णता से लिंगविवेचन से लड़ रहे हैं। खुफ काम करना और खुफ करना उनकी आत्मसम्मान की ताकत ज्यादा ऊँचा करते हैं। उनको जो मौके मिल रहे हैं, उनका सदी दृस्तमान करके वे विवेचनों से लड़ पाते हैं। पिछले सदियों में स्त्रीयों को उनकी छोटी उम्र में शादी करवाके भीड़ दृते थे। यह अपनी देश की ही नात है। करीब क्स से यौवन सात की उम्र में लड़कियों को शादी कराते थे।



वर्षी से उनकी पढ़ाई भी बंद हो जाती थी। कई लड़कियाँ बचपन से ही निरक्षर रहते थे। गाँव वाले जगह आया होते थे उन समयों में; तो वे (लड़कियाँ) खेत, तालाब, बाघ आदि जगहों में या बगीचों में बहुत काम करते थे, मिना वेतन के। उनकी जीवन किसी भी तरह की उम्मीदों से छूट पड़ी थी। अपने पतियों, बच्चों, घरवालों की हाल संभालने के लिए वे निर्बंधित थे। कुछ काम खुद करके कमाने का कोई भी रास्ता उनके सामने नहीं था।

महिलाओं को किसी भी तरह की परिणामना नहीं मिलती थी। स्त्री को अच्छी नौकरी से अच्छी वेतन मिलने के लिए शिक्षा पाना बहुत आवश्यक है। लैट्रिनिंग जैसे दुष्मानों के स्वदृष्टि कई महिलाओं को निरक्षर छोड़ दिया है। उदाहरण है कि, जब पाकिस्तान में तालिबान का आक्रमण हुआ। इस समयों में कई पाठशालाएँ बंद की गई। लड़कियों को कभी भी नहीं पढ़ने का ज़िक्र पड़ाया गया। इस समय बारह साल की महाना युसुफज़ाई ने पत्र लिखने, वाक्य/शब्द संकेत करने द्वारा इस नियम से नड़ाई की। यह दुनिया भर की महिलाओं



के लिए एक अच्छा, ताकतवर संकेश था। इस कारण से उसे गतिविधि की गोलियाँ उसके शरीर में लोटी पड़ी। पिर भी दुनिया भर की महिलाओं के लिए बेबदाकुर और ताकतवर थी। उसे समाधान की नोबेल पुरस्कार सम्मान किया गया था। पह महिला रोजगारी की उच्चस्व कथा थी।

स्त्री शिक्षा की सशक्तिकरण द्वारा महिला रोजगारी भी शक्त हो पाई। कई होटों में बहुत कामयाबी से ही नारियाँ रोजगार कर रही हैं। वे नौकरी करते, खुद कमाते हैं। अपनी स्वकार्य कार्य या खर्च के लिए किसी दूसरे को आश्रय में लेना कभी भी स्वतंत्रता नहीं है। अपनी आवश्यों के लिए खुद खर्च करनेवाली स्त्री उसकी जीवन की सफलता को दू पाती है। रोजगारी स्त्री स्वपद्धतान और स्वतंत्रता की प्रतीक हो सकती है।

चाहे, अलग दिशा से दृष्टे तो महिला रोजगारी बड़ने के इस अवसर पर भी कई महिलाएँ बेरोजगार रहते हैं। इसे कई कारणों से विश्वेषण कर सकते हैं। पहला कारण तो हमेशा शिक्षा की दृढ़त्वमिता है। कई महिलाएँ आज भी रोजगारी



परिवर्तन मे नहीं आ चुकी है। उनको शिक्षा देके के लिये केरल के सरकार भी 'समूल्य' पढ़ायती है। इस एस.एन.सी एक्सामो भी निरक्षर वनिताओं को पढ़ाई के साथ मिलता है। तो विज्ञान प्राप्ति के बिना हमारी नारियाँ नौकरी हेतु में कभी भी ऊँचाई में नहीं पहुँचेगी। अगला कारण है शैशव विवाह और गांडिकी पीड़न। इसे वे पढ़ते कहा गया, होठी उम्र में ही लड़कियों को शादी करवाने की वजह से उनकी शिक्षा बंक हो जाती है। परिवार की बातों में हमेशा मशहूल रहना पड़ता है उन्हें। परंपरा के अनुसार महिला परिवार संभालकर घरों में ही रहने की चुनौती सामना करती है। घरवालों कई तरह की गांडिकी हमलाएँ महिलाओं करते हैं। कुछ घरों में तो यह हमेशा नारियों को उनके पढ़ाई, रोजगारी के सपनों से छुटाते हैं। और एक दूरंत कारण है, महिलाओं की असुरक्षा। पोकुजन जगहों में भी स्त्री कई तरीकों में बलात्संग में पड़ जाती है। इस कारण से भय कर की वनिताएँ रोजगारी की दृश्या में आना मना करती हैं। जातिवाद, धार्मिकता, आदि कारणों से भी महिलाओं की नौकरी की कभी एक बड़ी समस्या



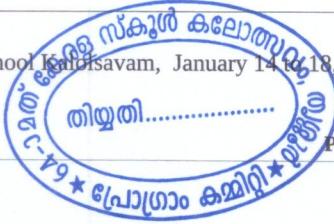
के रूप में आगे जा रही है। नारीजन नौकरी क्षेत्र में सम्बन्ध करने वाली एक और प्रश्न है तुल्यता की कमी पुरुषों से भी कम वेतन नारियों को दिया जाता है। जहाँ स्त्री-पुरुष साध्य काम करते हैं, वहाँ यह प्रश्न ज्याकान्तर फ़िर्खाई देता है। समान रोजगारी में समान वेतन मिलना अनिवार्य है। जहाँ स्त्री और पुरुष समान नौकरी करते हैं वहाँ उन्हें तुल्य वेतन देना चाहिए। कभी भी, कैसे भी स्त्री समूह का विरस्कार बही करना चाहिए। नौकरी करती महिला एक खुबसूरत दृश्य है, जो स्वतंत्रता, मानविक संवेदना, महिला शक्ति आदि को दर्शाती है। महिला, उसकी पहचान तब बनाती है, जब वह एक नौकरी अपनाकर रुक्क करती है। नारीजन अपनी सर्वशक्ति को बाहर लाके मैहनत करनी चाहिए। तभी, वह उसकी सविशेषता और समाजिकता को अच्छे तरीके में विश्लेषण कर पाएगी। हर महिला अपने आप पहचान में जाने जानना अनिवार्य है। महिला सशक्ति करण सिर्फ एक लक्ष्य नहीं, वह एक कर्तव्य भी है। कमरों के अंदर नहीं, बाहर, कुनियाँ की चारों फ़िराओं में महिला शक्ति की, पहचान की, रोजगारी की



ശാന്ദിക്കണി ചാഹിശ രോജഗാരി സ്ത്രീ സ്വപദചാന് ഔർ സ്വത്തേരഗ കീ പ്രതിക തുണ്ടി.

നിഷ്കർഷ :-

നിഷ്കർഷത്ത്: ഈ സുംകർ, സമാന്തരീക്ഷ ദേശ ഔർ ദുനിശ്ച പട്ടണ സ്ത്രീ-പുരുഷ സ്കാനോ ഔർ തുല്യത സേ ശുശ്രൂഷ ദോതി തുണ്ടി. ഇസിൽ മഹിലാ ഔർ പുരുഷ, ധോനോ ദേശ കീ അഭിവൃദ്ധി കേ ലിശ പ്രയാസ കരനാ ചാഹിശ വനിതാസ്ഥി നോക്കരി കരകേ തുണ്ടാ അബദ്ധ തുണ്ടാ തുണ്ടാ ക്ഷുഡ കമാനാ സബസേ സമ്മാനിത വാത തുണ്ടാ നോക്കരി കരകേ വാലി മഹിലാ ഉസകീ തുണ്ടാ വിജയ കിസി ഔർ കേ ക്ഷുഡ കര പാതി തുണ്ടാ നോക്കരി ക്ഷേത്രം മേ വനിതാസ്ഥി കീ നിഷ്ക്രീയ പുരുഷം സേ സമാന ദോതി ചാഹിശ നോക്കരി ക്ഷേത്രം മേ സ്ത്രീ സമാജ കീ വ്യവഹാര ഇം സംഖി മേ ദുമൈശാ ബന്ധനാ ചാഹിശ ഇം തുണ്ടാ സബസേ വജി കാമ്പയാബി തുണ്ടാ രോജഗാരി ഔർ നോക്കരി മേ ശാമിൽ തുണ്ടാ ലിംഗവിവേചന ദീന സുംകർ ദേശ ദീന ചാഹിശ അപനാ ഭാരത വനിതാസ്ഥി കീ ശിക്ഷാ കേ ബാരെ മേ ദുമൈശാ ദ്രാശ ചാഹിശ സ്ത്രീ ശിക്ഷാ കീ ഗംഗിര സശക്തികരണ ദുവാരാ മഹിലാ രോജഗാരി ഭി ശക്ത തുണ്ടാ



पास्ती।

महिलाओं रोजगार रहना अद्भिमान की बात है। इस निबंध का विषय जो महिला रोजगारी के बारे में बातें करता है, वह शायद ही नहीं, किंतु बिल्कुल एक जबर्दस्त काम है। इस निबंध द्वारा "नारियाँ - नौकरी हैंगों में" कैसे उच्च और नीच वर्गों कार्यों को शामिल किया और विश्वेषण किया भी है। चुनौतियों के कारण और परिणामों की भी।

xxxx x v v v v